Bilateral negotiation with All India Kendriya Vidyalaya Teachers Association

*358. SHRI N. GIRI PRASAD :

SHRI MISA R. GANESAN :

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state :

(a) whether it is a fact that as per assurance given to some MP-patrons of AIKVTA he held Ministerial level bilateral negotiations to discuss their demands; and

(b) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH) : (a) and (b) The Kendriya Vidyalaya Sangathan has reiterated its willingness to discuss all the demands of the All India Kendriya Vidyalaya Teachers Association (AIKVTA) and other teachers Association so as to arrive at reasonable solutions on their demands. Several rounds of discussions have already taken place at various levels including the Joint Consultative Machinery (JCM). A statement of the demands of AIKVTA and the Sangathan's stand thereon is placed on the table of the Sabha as Annexure.

[*See* Appendix CLXVI, Annexure No. 55].

खाद्यान्नों की आवश्यकता

*359. **डा. विनेन्द्र कुमार जैन :**

श्री गोपालसिंह जी. सोलंकी :

क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली में व्यापक सुधार करने के कार्यक्रम को लागू करने के बाद वर्ष 1993-94 के दौरान सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए खाद्यान्नों की आवश्यकता के बारे में कोई अनुमान लगाया है;

(ख) क्या सरकार ने उपर्युक्त आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए अगली रबी की फसल के समय खाद्यान्नों की खरीद का कोई लक्ष्य निर्धारित किया है; और

(ग) यदि हां, तो इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सरकार की क्या योजनाएं हैं ?

खाद्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्प नाथ राय) : (क) वर्ष 1993-94 के लिए जवाहर रोजगार योजना हेतु राजसहायता प्राप्त खाद्यान्नों की आपूर्ति सहित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए 190 लाख मीटरी टन खाद्यान्नों की आवश्यकता होने का अनुमान है, जिसमें 90 लाख मीटरी टन गेहूं और 100 लाख मीटरी टन चावल शामिल है ।

(ख) और (ग) चूंकि वसूली/समर्थन मूल्यों पर गेहूं और रबी के मोटे अनाजों की स्वैच्छिक आधार पर वसूली की जाती है, इसलिए 1-4-1993 से आरम्भ हो रहे रबी विपणन मौसम, 1993-94 के दौरान इन अनाजों की वसूली के कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते हैं । तथापि, सरकार गेहूं की अधिक से अधिक वसूली करने के लिए यथा संभव सभी उपाय कर रही है जिसमें 330/- रु. प्रति क्विंटल के आकर्षक वसूली मूल्य की घोषणा करना, पर्याप्त संख्या में क्रय केन्द्र खोलना और विनियमित मंडियों में अपेक्षित संगठनात्मक समर्थन प्रदान करना, आदि शामिल है ।

प्रतिभावान खिलाड़ियों को वित्तीय सहायता

*360. **श्री दिलीप सिंह जूदेव** : क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश के प्रतिभावान खिलाड़ियों को सामाजिक मान्यता और वित्तीय सहायता प्रदान करने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है; यदि हां, तो इस संबंध में योजना का ब्यौरा क्या है और इस दिशा में क्या प्रगति हुई है; और